वृन्दावनलाल वर्मा का व्यक्तित्व

डॉ0 अणिमा अनुरागिनी

डॉ0 वृन्दावनलाल वर्मा का जन्म पौष शुक्ल अष्टमी संवत 1945 वि0 के दिन मऊरानीपुर में हुआ था। पिता का नाम श्री अयोध्या प्रसाद था और माता का सबरानी।

वृन्दावनलाल वर्मा बचपन से ही काफी सीधे और सरल स्वभाव के थे। इसकी झलक उनके बचपन के कई किस्सों में मिलती है। जिसका उल्लेख उन्होंने अपने कई लेखों में किया है। एक पत्रिका में उन्होंने अपनी आत्मभिव्यक्ति लिखते हुए एक किस्सा इस प्रकार साझा किया है– ''पाँच वर्ष की आयु थी, झाँसी की उन्नाव फाटक वाली सड़क पर एक बछिया के पीछे नंगा दौड़ रहा था कि मकान के चबूतरे पर से एक आवाज आई– ''ओरे वृन्दावन! चल इधर!'' मैंने पलटकर देखा तो सफेद कुर्ता धोती पहने, सफेद टोपी लगाये, चेहरे पर चेचक का दाग, भव्य आकृति वाले एक सज्जन चबूतरे पर खड़े बुला रहे हैं।